Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

CATEGORY-1 UNIVERSITY by UGC

University in News on 30 September 2024

Dainik Jagran
Page - 05

गोवि के अंग्रेजी विभाग में शुरू होंगी लिटरेरी प्रतियोगिताएं

गोरखपुरः गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग में लिटरेरी क्लब द्वारा अक्टूबर के पहले हफ्ते से विभिन्न प्रतियोगिताओं की सीरीज शुरू होगी। विभागाध्यक्ष प्रो .अजय शुक्ल के अनुसार चार अक्टूबर को साहित्यिक वाद-विवाद प्रतियोगिता से इसकी शुरुआत होगी। 'डिजिटल साहित्य बनाम पारंपरिक साहित्य: एआइ से प्रेरित विकास या क्रांति?' विषय पर प्रतियोगिता आयोजित है। इसके बाद सत्र में विभिन्न प्रतियोगिताएं होंगी। -विज्ञप्ति।

Amar Ujala
Page - 06

प्रतियोगिताओं की सीरीज अगले माह से

गोरखपुर। दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग में लिटरेरी क्लब की तरफ से अक्तूबर के पहले हफ्ते से विभिन्न प्रतियोगिताओं की सीरीज शुरू होगी। विभागाध्यक्ष प्रो. अजय शुक्ल ने बताया कि 4 अक्तूबर को साहित्यिक वाद-विवाद प्रतियोगिता से इसकी शुरुआत होगी। 'डिजिटल साहित्य बनाम पारंपरिक साहित्यः एआई से प्रेरित विकास या क्रांति?' विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित है। इसके बाद सत्र में विभिन्न प्रतियोगिताएं होंगी। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए आयोजन किया गया है। संवाद

Amar Ujala Select
Page 02, 04

शिक्षा व अध्यात्म के समावेश से पाई जा सकती है अराजकता से मुक्ति

मुख्यमंत्री को स्मृति चिह्न भेंट करते गुरुकुल सोसायटी के अध्यक्ष चौधरी प्रमोद कुमार, साथ में सांसद, मेयर, कुलपति व अन्य।

सीएम योगी बोले-गुरुकुलों में होना चाहिए यज्ञ और हवन की पद्धति का अनुसरण

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज के समय में शिक्षा और अध्यात्म का समावेश करके ही अराजकता से मुक्ति पाई जा सकती है। गुरुकुलों में यज्ञ और हवन की पुरानी आर्य समाज की पद्धति का अनुसरण होना चाहिए। जब तक गुरुकुलों में यह परंपरा जीवित रही, तब तक वहां का वातावरण आध्यात्मिक और अनुशासनपूर्ण था, जिससे पठन-पाठन के बेहतरीन परिणाम सामने आते थे।

सीएम योगी रविवार को मेवालाल गुप्त गुरुकुल विद्यालय में नवनिर्मित सभागार, पांच कक्षों और प्रशासनिक भवन का लोकार्पण करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने गुरुकुल के पुनरुद्धार के लिए गोरखपुर गुरुकुल सोसाइटी के पदाधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि गोरखपुर विकास प्राधिकरण ने एक करोड़ पांच लाख रुपये के सीएसआर फंड से यह निर्माण कार्य समय पर पूरा किया है।

स्किल डेवलपमेंट और उद्यमिता पर जोर : मुख्यमंत्री ने गुरुकुल विद्यालय को शिक्षा के साथ-साथ स्किल डेवलपमेंट और उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित करने की बात कही। उन्होंने कहा कि कोई भी वंचित बच्चा शिक्षा से वंचित न रहने पाए। हर बच्चा भविष्य के लिए आत्मनिर्भर बने। शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे इन प्रयासों से भारत को विकसित भारत बनाने में मदद मिलेगी।

गुरुकुल विद्यालय की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : मुख्यमंत्री ने बताया कि गोरखपुर गुरुकुल विद्यालय की स्थापना 1935 में हुई थी। इस गुरुकुल में आध्यात्मिक और राजनीतिक गतिविधियों के कारण ब्रिटिश सरकार ने इसे पांच साल तक बंद कर दिया था। इसके बाद यह विद्यालय फिर से सक्रिय हुआ।

आज यह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के रूप में संचालित हो रहा है। उन्होंने कहा कि समय के साथ संसाधनों की कमी के कारण विद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या घटने लगी, लेकिन अब नए निर्माण और संसाधनों से इसे फिर से प्रतिष्ठित किया जा रहा है।

डीडीयू :अगले महीने से शुरू होगी प्रतियोगिताओं की सीरीज

गोरखपुर। दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग में लिटरेरी क्लब की तरफ से अक्तूबर के पहले हफ्ते से विभिन्न प्रतियोगिताओं की सीरीज शुरू होगी।

विभागाध्यक्ष प्रो. अजय शुक्ल ने बताया कि 4 अक्तूबर को साहित्यिक वाद-विवाद प्रतियोगिता से इसकी शुरुआत होगी। 'डिजिटल साहित्य बनाम पारंपरिक साहित्यः एआई से प्रेरित विकास या क्रांति?' विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित है।

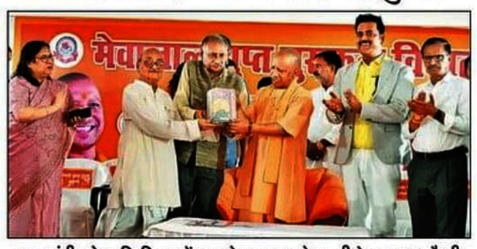

इसके बाद सत्र में विभिन्न प्रतियोगिताएं होंगी। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए इसका आयोजन किया गया है। विजेताओं को कुलपति प्रो. पूनम टंडन प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित करेंगी।

Hindustan
Page - 03, 05

बीफॉर्म और डीफॉर्म में आज होगा प्रवेश

गोरखपुर। डीडीयू के बीफॉर्म तथा डीफॉर्म पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। प्रमाण पत्रों का सत्यापन और प्रवेश 30 सितंबर को होगा। अभ्यर्थी अपना रिजल्ट डीडीयू के प्रवेश पोर्टल www. ddug uad mission. in से डाउनलोड कर सकते हैं।

अगले महीने से शुरू होगी प्रतियोगिताओं की सीरीज

गोरखपुर। डीडीयू के अंग्रेजी विभाग में लिटरेरी क्लब द्वारा अक्तूबर के पहले हफ्ते से विभिन्न प्रतियोगिताओ की सीरीज शुरू होगी। विभागाध्यक्ष प्रो. अजय शुक्ल ने बताया कि 4 अक्तूबर को साहित्यिक वाद-विवाद प्रतियोगिता से इसकी शुरुआत होगी। 'डिजिटल साहित्य बनाम पारंपरिक साहित्य: एआई से प्रेरित विकास या क्रांति?' विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित है। इसके बाद सत्र में विभिन्न प्रतियोगिताएं होंगी। विजेताओं को कुलपति प्रो. पूनम टंडन प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित करेंगी।

Swatantra Chetna
Page 02, 05

अंग्रेजी विभाग आयोजित करेगा साहित्यिक प्रतियोगिताएं

☐ अक्टूबर माह के प्रथम सप्ताह से आयोजित होगी लिटरेरी कंपटीशन सीरीज

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के अंग्रेजी विभाग द्वारा गठित लिटरेरी क्लब द्वारा विभाग में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेगा,जिसका संचालन विभागाध्यक्ष के नेतृत्व में विद्यार्थियों द्वारा ही किया जाएगा। विभागाध्यक्ष प्रो. अजय कुमार शुक्ला ने बताया कि इन सभी गतिविधियों के सफल संचालन की जिम्मेदारी विद्यार्थियों को ही दी गई है। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका विद्यार्थियों द्वारा बेहतर तरीके से प्रकाशित की जाती है ,उन्हीं विद्यार्थियों को विभागाध्यक्ष की देख रेख में इस कोर ग्रुप का सदस्य बनाया गया है। कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए ऐसी गतिविधियों को आयोजित करने के लिए हमेशा जोर देती रहतीं हैं। बताया कि लिटरेरी क्लब सदस्य के रूप में एम. ए तृतीय सेमेस्टर की जाह्नवी सिंह, श्रेया मिश्रा, प्रकृति पटेल, सुस्मिता सिंह, आकर्षिका सिंह, आकांक्षा पांडेय, आयुषी राव, श्वेता उपाध्याय, आनंद सिंह, कुशाग्र मिश्रा, सुधांशु राय, आयुष्मान पांडेय, अमीषा राव, आरुषि गौतम के अलावा एम. ए प्रथम सेमेस्टर के सुंदरम पांडेय, राज वैभव त्रिपाठी, सोनल, अविका शुक्ला, अंजू उपाध्याय, अनुष्का कृष्णा राय, अंजली वर्मा, प्रिया शर्मा होंगी।

प्रो. शुक्ला ने बताया कि लिटरेरी क्लब द्वारा अगले सप्ताह, डिजिटल साहित्य बनाम पारंपरिक साहित्य : एआई से प्रेरित विकास या क्रांति? विषय पर साहित्यिक वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस) की तेजी से बढ़ती भूमिका ने साहित्य के क्षेत्र में नई बहस छेड़ दी है। इस वाद-विवाद में यह सवाल उठेगा कि क्या ए-आई साहित्य में स्वाभाविक विकास का साधन है, या यह एक क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है जो पारंपरिक साहित्य की नींव को चुनौती दे रहा है।

Inext Page - 01, 04

डीडीयू के अंग्रेजी विभाग में शुरू होंगी लिटरेरी प्रतियोगिताएं

GORAKHPUR (29 Sept): दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंग्रेजी विभाग में लिटरेरी क्लब द्वारा अक्टूबर के पहले हफ्ते से विभिन्न प्रतियोगिताओं की सीरीज शुरू होगी. विभागाध्यक्ष प्रो.अजय शुक्ल के अनुसार चार अक्टूबर को साहित्यिक वाद-विवाद प्रतियोगिता से इसकी शुरुआत होगी. 'डिजिटल साहित्य बनाम पारंपरिक साहित्य: एआइ से प्रेरित विकास या क्रांति ?' विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित है. इसके बाद सत्र में विभिन्न प्रतियोगिताएं होंगी. विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए इसका आयोजन किया गया है.